



नेशनल कमिशन का गुरुद्वारा

पन्द्रहवीं सदी की अंग्रीम इत्यी व रूद्धानी शास्त्रियत  
तैये होकर, जौने जाते हुए, बसी ए पको इत्यादि, इन्होंने इत्यादि वैज्ञानिक विवरण



## मुहम्मद इत्यादि अंताद्वयी वृजवी

ने इस पुर फ़ितन दौर में नेकियां करने और गुनाहों से  
बचने के तरीकों पर मुहसिनिल शारीअत व तुरीकृत का जामेअ मजामूआ

# 63 ठेक आमाल

व सूरते सवालात अंता फ़ुरमाए हैं

इन के मुहाविक अमल करने का तरीकाए कार आखिर में दिया गया है

पेशकश : मर्कजी मजलिस शुरा (दावते इस्लामी)

## यौमिया 47 नेक आमाल

### पेहला दरजा 17 नेक आमाल

(1) क्या आज आप ने कुछ ना कुछ जाइज कामों से पहले कम अज्ञ कम एक अच्छी नियत की ? (काश ! किसी एक को तरसीब भी दीजिए। तीन कामों में अच्छी नियत करने से नेक आमाल पर अमल मान लिया जाएगा)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	मीजान

(2) क्या आज आप ने पांचों नमाज़ें अदा फ़रमाईं ? (काश ! अपने घर में नमाज़ के लिए कोई जगह मुकर्रर करने की सआदत मिल जाए कि ये ह मुस्तहब है। जहे नसीब हैज व निफ़ास के दिनों के इलावा जितनी देर नमाज़ में लगती थी उतनी देर हैज व निफ़ास के दिनों में जिक्रो दुरुद या दीनी मुत्तालआ (बगैर आयत व तर्जमा छूए) करने में मसरूफ़ रहें ?)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	मीजान

(3) क्या आज आप ने पांचों नमाज़ों के बाद कम अज्ञ कम एक बार आयतुल कुरसी, सूरतुल इख्लास और तस्बीहे फ़ातेमा ﷺ पढ़ी ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	मीजान

(4) क्या आज आप ने रात में सूरतुल मुल्क पढ़ या सुन ली ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	मीजान

(5) क्या आज आप ने कन्जुल ईमान मअ खजाइनुल इरफान या नूरुल इरफान या आसान तर्जमए कुरआन कन्जुल इरफान मअ इफ्हामुल कुरआन से कम अज्ञ कम तीन आयात तर्जमा व तफ्सीर के साथ पढ़ी या सुनीं ? या तफ्सीर सिरातुल जिनान से कमो बेश दो सफ्रहात पढ़ या सुन लिए ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	मीजान

(6) क्या आज आप ने शजरे के कुछ ना कुछ अवराद पढ़े ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	मीजान

(7) क्या आज आप ने कम अज्ञ कम 313 बार दुर्लद शरीफ पढ़ा ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	मीजान

(8) क्या आज आप ने आंखों को गुनाहों (यानी बद निगाही, फ़िल्में ड्रामे, मोबाइल पर गुनाहों भरी वीडियोज़ देखने) से बचाया ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	मीजान

(9) क्या आज आप ने कानों को गुनाहों (यानी ग़ीबत, गाने बाजे, बुरी और गन्दी बातों, मोबाइल की म्यूज़िकल ट्रून, कोलर ट्रून वगैरा वगैरा सुनने) से बचाया ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	मीज़ान

(10) रास्ते में चलते हुवे या कार या बस वगैरा में सफर के दौरान खुद को फुजूल निगाही से बचाते हुवे क्या आज आप ने निगाहें नीची रखीं ? और बिला ज़रूरत इधर उधर देखने से अपने आप को बचाया ? (ज़हे नसीब ! किसी से बात करते वक्त सामने वाले के चेहरे पर बिला ज़रूरत मुसल्लसल नज़र जमी रेहने के बजाए नीची रहा करे)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	मीज़ान

(11) क्या आज आप ने आला हज़रत رَحْمَةُ اللّٰهِ عَلَيْهِ या मक्तबतुल मदीना की किसी किताब या रिसाले या "माहनामा फैज़ाने मदीना" को कम अज कम 12 मिनट पढ़ा या सुना ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	मीज़ान

(12) क्या आज आप ने बात चीत, फोन पर गुफ्तगू और काम काज रोक कर अज्ञान का जवाब दिया ? (अगर पहले से खा पी रही हों और अज्ञान शुरूअ़ हो जाए तो खाना पीना जारी रखा तो हरज नहीं, इसी तरह नमाज़ की

## 63 नेक आमाल

तैयारी के सिल्सिले में चलने और वुजू करने वायरा में भी कोई हरज नहीं !)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	मीजान

(13) आज आप ने (घर में या बाहर) किसी पर गुस्सा आ जाने की सूरत में चुप रहे कर गुस्से का ड़लाज फ्रमाया या बोल पड़ीं ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	मीजान

(14) क्या आज आप ने अपने आमाल का जाइजा लेते हुवे नेक आमाल के रिसाले के खाने पुर किए ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	मीजान

(15) क्या आज आप ने "आलमी मजलिसे मुशावरत" के उस्लों के मुताबिक अपनी निगरान की इत्ताअत की ? (फ्रमाने अमरी अहले सुन्नत दामَتْ بِرَبِّكُتُهُمُ الْعَالِيَه : शारीअत की इजाजत होने की सूरत में शूरा की इत्ताअत मेरी इत्ताअत, शूरा की नाफरमानी मेरी नाफरमानी है।

(शोबा इस्लाहे आमाल))

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	मीजान

(16) क्या आज आप ने घर और बाहर हर छोटे बड़े से अच्छे अन्दाज से (यानी "आप, जनाब" और "जी" के ह कर) गुफ्तगू की ? (हस्बे मौक़अ

चेहरे पर मुस्कुराहट रखिए जबकि नामहरम ना हों)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	मीजान

(17) क्या आज आप ने मद्रसतुल मदीना (बालिगात) में कुरआने करीम "पढ़ा" या "पढ़ाया" ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	मीजान

## दूसरा दरजा 18 नेक आमाल

(18) क्या आज आप ने दावते इस्लामी के दीनी कामों को अपनी निगरान के दिए हुवे शिड्यूल के मुताबिक़ कम अज्ञ कम दो घंटे दिए ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	मीजान

(19) क्या आज आप ने अपने घर की खिड़की से बिला ज़रूरत बाहर नीज किसी और के दरवाजों वगैरा से उन के घरों के अन्दर झांकने से बचने की कोशिश की ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	मीजान

(20) क्या आज आप के यहां घर दर्स हुवा ? या किसी उँच्च की सूरत में आप की गैर मौजूदगी में घर दर्स का सिल्सिला हवा ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	मीजान

(21) आज आप ने कहीं ना मेहरम रिश्तेदारों, ना मेहरम पड़ोसियों नीज़ देवर या जेठ से مَعَاذَ اللَّهِ बे तकल्लफ हो कर गुफ्तगू करने का ममनूअ काम तो नहीं किया ? क्या उन के सामने आने से कतराई और उन से शरई पर्दा किया ? (सुसर से भी एहतियात रहे तो अच्छा है)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	मीजान

(22) आज आप ने घर से बाहर निकलते वक्त शरई पर्दा किया ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	मीजान

(23) आज आप ने ऐसा चुस्त, बारीक या छोटा लिबास (जिस से जिसम का उभार ज़ाहिर हो या रंगत झल्के) पहेन कर मां कहीं बे पर्दगी तो नहीं की ? (काश ! गुनाहों भरा फेशन करने मसलन मर्दों की त्रह बाल कटवाने, अबू बनवाने, चालीस दिन से ज़ाइद नाखुन बढ़ाने वगैरा से बचने की सआदत नसीब हो जाए ।) इस्लामी बहेनों का सुन्नत लिबास : अबू दावूद व निसाई व इब्ने माजा ने इब्ने उमर رضي الله عنهما سे रिवायत की, कि

सूलुल्लाह صَلَّى اللّٰهُ عَلٰيْهِ وَسَلَّمَ ने फ़रमाया : "इस्बाल यानी कपड़े के नीचा करने की मुमानेअत तहबन्द व क्रमीस व इमामा सब में है। हज़रते उम्मे सलमा رضي الله عنها ने अर्ज की, औरतों के लिए क्या हुक्म है ? फ़रमाया : एक बालिशत लटका लें (यानी आधी पिन्डली के नीचे एक बालिशत लटकाएं) अर्ज की, अब तो औरतों के कदम खुल जाएंगे, इरशाद फ़रमाया : एक हाथ लटका लें इस से जियादा नहीं।"

(बहारे शरीअत, हिस्सा 16, 3 / 402)

**नोट :** अपने बच्चों और बच्चियों को गैर मुहज्जब लिबास से बचाएं (मसलन : बच्चियों को लम्बा और खुला लिबास छोटे गले वाला पहेनाएं और बच्चों को भी आधी पिन्डली कुर्ते वगैरा का आदी बनाएं।)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	मीजान

(24) क्या आज आप बातिनी गुनाहों से बच्चीं ? (मसलन : हसद, तकब्बुर, कीना, रियाकारी वगैरा वगैरा)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	मीजान

(25) क्या आज आप शादी शुदा होने की सूरत में शौहर और गैर शादी शुदा होने की सूरत में वालिदैन के साथ अदबो एहतेराम बजा लाईं ? (उन की कही हुई बात शरीअत के मुताबिक हो तो मानना, वालिदा का हाथ

चूमना, उन की आवाज से अपनी आवाज कम रखना वगैरा । सुसराल में होने की सूरत में सास के लिए भी इस का लेहाज़ फ्रमाएं मज़ीद तफसीलात के लिए रिसाला "समुन्दरी गुम्बद" का मुतालआ फ्रमाइए ।)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	मीजान

(26) क्या आप ने **مَعَاذِلَة** गुनाह हो जाने की सूरत में फ़ौरन तौबा की ?  
(काश ! रोजाना कम अज्ञ कम 70 बार इस्तिखाफ़ार मसलन 70 बार  
اَسْتَغْفِرُ اللّٰهَ پढ़ना नसीब हो जाए)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	मीजान

(27) क्या आज आप ने सुन्नत के मुताबिक खाना खाया और खाने से पेहले और बाद की द़आएं पढ़ीं ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	मीजान

(28) क्या आज आप ने कुछ ना कुछ सुन्नतों पर **अमल** किया ?  
(मसलन घर में आने जाने, सोने जागने, किल्ला रुख बैठने वगैरा)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	मीजान

(29) क्या आज आप ने अपनी अवलाद की कुरआनो सुन्नत के मुताबिक तरबियत करने की कोशिश की ? (वक्तन फ़ वक्तन नमाज़ की तरहीब और बुजू वगैरा, खाना, पानी और बिजली में इसराफ़ (जाएँ) से बचना, बिल खुसूस सुन्नत के मुताबिक खाना पीना, सीधे हाथ से लेना देना, झूट, ग़ीबत, चुगाली और गाली गलोच, खिलौनों में म्यूज़िक, गेम्ज़ और फुज़्ल इस्तेमाल के लिए मोबाइल फ़ोन देना, बात चीत में आप और जी वगैरा वगैरा ।)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	मीजान

(30) क्या आज आप ने तहज्जुद की नमाज़ पढ़ी ? या रात ना सोने की सूरत में सलातुल्लैल अदा की ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	मीजान

(31) क्या आज आप ने अव्वाबीन या इशराक़ व चाश्त के नवाफ़िल पढ़े ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	मीजान

(32) क्या आज आप ने असर या इशा की सुन्नते क़ब्लिया पढ़ीं ? (ज़हे नसीब ! असर और इशा दोनों की सुन्नते क़ब्लिया और ज़ोहर व मगारिब

व इशा के नवाफिल भी अदा किए जाएं।)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	मीजान

(33) क्या आज आप ने इनफिरादी कोशिश के जरीए दावते इस्लामी के 8 दीनी कामों में से कम अज्ञ कम एक दीनी काम की तरसीब दिलाई ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	मीजान

(34) आज आप ने घर के अफराद के इलावा किसी से (कपड़े, मोबाइल फ़ोन, चप्पल ज़ेवरात वगैरा) चीज़ें दूसरों से मांग कर इस्तेमाल तो नहीं की ? (दूसरों से सवाल की आदत हो तो निकाल दीजिए, ज़रूरत की चीज़ निशानी लगा कर अपने पास ब हिफाज़त रखिए।)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	मीजान

(35) क्या आज आप झूट बोलने, ग़ीबत व चुगली करने / सुनने से बच्चीं ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	मीजान

## तीसरा दरजा 12 नेक आमाल

(36) क्या आज आप ने कुछ ना कुछ वक्त के लिए "FGN चैनल" देखा ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	मीजान

(37) क्या आप की किसी एक या चन्द से दुन्यवीं तौर पर ज्ञाती दोस्ती है ? (ज्ञाती दोस्तियां और ग्रूप, तन्जीमी कामों की तरक्की में आम तौर पर रुकावट बनते हैं।)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	मीजान

(38) आज आप ने कर्ज़ होने की सूरत में (अदाएगी की ताक़त के बावृदू) कर्ज़ ख्वाह की इजाजत के बगैर कर्ज़ अदा करने में ताखीर तो नहीं की ? नीज़ किसी से आरजी तौर पर (यानी Temporary) ली हुई चीज़ ज़रूरत पूरी होने पर तै किए हुवे वक्त के अन्दर वापस कर दी ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	मीजान

(39) आज आप ने आजिज़ी के ऐसे अल्फाज़ जिन की ताईद दिल ना करे बोल कर निफ़ाक का गुनाह तो नहीं किया ? (मसलन : दीगर इस्लामी

बहेनों के दिल में अपनी इज़ज़त बनाने के लिए इस त्रह के अल्फ़ाज़ कहना जैसे : "मैं हक्कीर हूं, बहुत गुनाहगार हूं" वगैरा वगैरा जबकि दिल में खुद को ऐसा ना समझती हों)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	मीज़ान

(40) क्या आज आप ने सफ़ाई सुथराई और सलीक़ा मन्दी का खयाल रखा ? (सफ़ाई सुथराई : यानी बदन व लिबास घर और बच्चों को साफ़ रखना वगैरा । सलीक़ा : यानी वक्त की पाबन्दी, घर और अपनी या किसी और की गाड़ी में बैठते वक्त बिला ज़रूरत ज़ोर से दरवाज़ा बन्द करना, अपने घर, तालीम गाह या किसी के यहां की जो चीज़ इजाज़त होने की सूरत में उठाई फिर उसी जगह रखना वगैरा)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	मीज़ान

(41) आज आप ने किसी मुसलमान का ऐब ज़ाहिर हो जाने पर (बिला मस्लेहते शरई) उस का ऐब किसी और पर ज़ाहिर तो नहीं किया ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	मीज़ान

(42) क्या आज आप ने हर जाइज़ व इज़ज़त वाले काम से पहले बिस्मिल्लाह पढ़ी ? (कम अज़ कम तीन बार पढ़ने वाले का अमल मान लिया जाएगा ।)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	मीजान

(43) क्या आज आप ने अपने वालिदैन और अपने पीरो मुर्शिद के लिए बे हिसाब मग़फ़ेरत की दुआ और कुछ ना कुछ ईसाले सवाब किया ?  
(एक बार दुरुद शरीफ पढ़ कर भी ईसाले सवाब किया जा सकता है)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	मीजान

(44) किसी ज़िम्मेदार (या झाम इस्लामी बहेन से) बुराई सादिर हो जाए और इस्लाह की ज़रूरत मेहसूस हो तो तहरीरी तौर पर ब ज़रीए मेसेज या बराहे रास्त मिल कर (दोनों सूरतों में नर्मी के साथ) समझाने की कोशिश फ़रमाई, या مَعَاذَ اللَّهِ بِلَا اِذْنِكَ बिला इजाज़ते शरई किसी और पर इज्हार कर के गीबत का गुनाहे कबीरा कर बैठीं ? हाँ ! खुद समझाने की जुरअत ना हो, या नाकामी की सूरत में तन्जीमी तरीक़ए कार के मुताबिक मस्अला हल करने में हरज नहीं । (जबकि उस की बुराई दावते इस्लामी के लिए नुक़सान देह हो)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	मीजान

(45) क्या आज आप ने ज़बान को गुनाहों (यानी इलज़ाम तराशी, दिल आज़ारी, गाली गलोच वगैरा) से बचाया ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	मीज़ान

(46) क्या आज आप ने ज़बान को फुज़ूल इस्तेमाल (यानी वोह गुफ़तगू जिस से दीनी या दुन्यावी फ़ाइदा ना हो) से बचाने की झ़ादत बनाने के लिए कुछ ना कुछ इशारे से गुफ़तगू की ? (ज़हे नसीब ! रोज़ाना कम अज़ कम चार बार लिख कर और कम अज़ कम तीन बार इशारे से गुफ़तगू करने की स़आदत हासिल हो ।)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	मीज़ान

(47) क्या आज आप ने (घर में और बाहर) मज़ाक मस्खरी, तन्ज़, दिल आज़ारी और क़हक़हा लगाने (यानी खिल खिला कर हँसने) से बचने की कोशिश की ? (याद रखिए ! किसी मुसलमान का (बिला वज्हे शरई) दिल दुखाना कबीरा गुनाह है ।)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	मीज़ान

## कुप्ले मटीना कारकर्दगी

तारीख	लिख कर गुफ्तगू	इशारे से गुफ्तगू	निगाहें गाड़े बगैर गुफ्तगू
	कम अज्ञ कम 12 मरतबा	कम अज्ञ कम 12 मरतबा	कम अज्ञ कम 12 मरतबा
1			
2			
3			
4			
5			
6			
7			
8			
9			
10			
11			
12			
13			
14			
15			

तारीख	लिख कर गुफ्तगू	इशारे से गुफ्तगू	निगाहें गाड़े बगैर गुफ्तगू
	कम अज्ञ कम 12 मरतबा	कम अज्ञ कम 12 मरतबा	कम अज्ञ कम 12 मरतबा
16			
17			
18			
19			
20			
21			
22			
23			
24			
25			
26			
27			
28			
29			
30			
31			

## हफ्तावार 4 नेक आमाल

<p>(48) क्या आप ने इस हफ्ते (अगर आप की बात मानी जाती हो या आप बा इश्भितयार हों) किसी ना किसी मेहरम मर्द (मसलन भाई/बेटा / वालिद वौरा) या शौहर को इस्लामी भाइयों के इज्तेमाअँ में भेजने की कोशिश की ?</p>				
<p>(49) क्या हफ्तावार मदनी मुज़ाकरा देखने / सुनने की सआदत हासिल की ? (दौरानिया : सवाल जवाब शुरूअ़ होने से कम अज्ञ कम एक घंटा 12 मिनट)</p>				
<p>(50) हफ्तावार सुन्नतों भरे इज्तेमाअँ में अब्बल ता आखिर शिर्कत की ?</p>				
<p>(51) क्या आप ने इस बार का हफ्तावार रिसाला पढ़ या सुन लिया ?</p>				

## माहाना 4 नेक आमाल

(52) क्या पिछले महीने का नेक आमाल का रिसाला फ़िल यानी पुर कर के अपनी निगरान या जिम्मेदार को जम्म़अ करवाया, या मोबाइल फ़ोन की Neik Amaal नामी Application के जरीए Submit किया ?

(53) क्या आप ने इस माह कम अज्ज कम एक इस्लामी बहेन को (जो पहले दीनी माहोल में थीं या पेहले इज्तेमाअ में आती थीं मगर अब नहीं आतीं) तलाश कर के उन को दीनी माहोल से वाबस्ता करने की कोशिश की ?

(54) क्या आप ने माहाना मदनी हल्के में शिर्कत की ?

(55) क्या आप ने इस हफ्ते पीर शरीफ (या रेह जाने की सूरत में किसी भी दिन) का रोज़ा रखा ?

## सालाना 5 नेक आमाल

(56) क्या आप ने फ़र्ज़ होने की सूरत में बिला ताखीर ज़कात अदा की ? नीज़ वाजिब होने की सूरत में कुरबानी करने की सअादत पाई ? (जिन ज़ेवरात की मालिक औरत हो (शराइत भी पाए जाएं) ख़वाह वोह मैके से लाई हो या उस के शौहर ने उस को ज़ेवरात दे कर उन का मालिक बना दिया हो तो उन की ज़कात अदा करना औरत पर फ़र्ज़ है। (फ़तावा रज़विय्या, 10 / 132) कुरबानी वाजिब होने की शराइत पाई जाने की सूरत में जिस तरह मर्दों पर कुरबानी वाजिब होती है उसी तरह औरतों पर भी कुरबानी वाजिब होती है। (बहारे शारीअत, हिस्सा 15, 3/ 332)

(57) क्या आप ने इस साल हैज़ो निफ़ास की वजह से रमज़ानुल मुबारक के रेह जाने वाले रोज़े अगला रमज़ान

आने से पेहले क़ज़ा कर लिए ? (याद रहे ! हैज़ व निफास के दिनों में नमाज़ मुअ़ाफ़ है मगर रोज़े क़ज़ा करने होते हैं)

(58) क्या आप ने बहारे शरीअत या इस्लामी बहेनों की नमाज़ से पढ़ या सुन कर अपने बुज्जू, गुस्ल और नमाज़ दुरुस्त कर के किसी मुबलिलगा या मेहरम मुबलिलगा को सुना दिए हैं ?

(59) क्या आप ने हुरूफ़ की मखारिज से अदाएँगी के साथ कम अज़ कम एक बार कुरआने पाक नाज़रा खत्म कर लिया है ? और इसे इस साल दोहरा लिया ?

(60) क्या आप ने इस साल इन दो किताबों "कुफ्रिया कलिमात के बारे में सवाल जवाब" और "पर्दे के बारे में सवाल जवाब" का मुताल़ा कर लिया ?

## ज़िन्दगी भर के 3 नेक आमाल

(61) क्या आप ने ज़िन्दगी भर के निसाब का मुत्तालआ फ़रमा लिया ? (मिन्हाजुल अबिदीन, जाअल हक्क, बहरे शरीअत हिस्सा 9 से मृतद का बयान, हिस्सा 16 से खरीदो फ़रोख्त का बयान और वालिदैन के हुकूक का बयान, (अगर शादी शुदा हैं तो) हिस्सा 7 से मुहर्रमात का बयान और हुकूकुज़जौजैन, हिस्सा 8 से बच्चों की परवरिश का बयान, हुरमते मुसाहरत, तलाक का बयान, ज़िहार का बयान और तलाके किनाया का बयान । आला हज़रत رَحْمَةُ اللَّهِ عَلَيْهِ की कुतुब "तम्हीदुल ईमान, हुस्सामुल हरमैन" नीज़ मक्तबतुल मदीना की मतबूआ किताबें "चन्दे के बारे में सवाल जवाब, बुन्यादी अकाइद और मामूलाते अहले सुन्नत, अक्कीदए आखेरत, दस अक्कीदे, इस्लाम के बुन्यादी अक्कीदे, अल हक्ककुल मुबीन, इस्लाम की बुन्यादें बातें (तीनों हिस्से), किताबुल अकाइद, गुलदस्तए अकाइदो आमाल, गानों के 35 कुफ्रिया अश़्आर, 28

कलिमाते कुफ्र, आला हज़रत से सवाल जवाब, इल्मुल कुरआन, नमाज़ के अहकाम और फैज़ाने सुन्नत के तमाम अब्बाब पढ़ या सुन लिए ?) काशा ! हर साल माहे शाबानुल मुअ़ज्ज़म में फैज़ाने सुन्नत का बाब "फैज़ाने रमज़ान" पढ़ या सुन लें ।)

(62) जिन्दगी में एक बार दावते इस्लामी के तहत होने वाले मुख्तलिफ़ कोर्सिज़ (बिल खुसूस "आइए दीनी काम सीखिए" और जन्नत का रास्ता) किए ?

(63) क्या आप ने छे कलिमे, ईमाने मुफ़स्सल, ईमाने मुज्मल, अज्ञान और इस के बाद की दुआ, कुरआन शरीफ़ की कम अज़ कम आखरी दस सूरतें, दुआए कुनूत, अत्तहिय्यात, दुर्लदे इब्राहीमी और कोई एक दुआए मासूरा । येह सब दुरुस्त मखारिज के साथ ज़बानी याद कर लिए हैं ? (ज़हे नसीब ! हर माह की पेहली पीर शरीफ़ या रेह जाने की सूरत में किसी और दिन येह ब दोहरा लिए जाएं)

## आत्मा की मदनी बेटी

अमीरे अहले सुन्नत ذَامَتْ بِرَكَاتُهُمُ الْعَالِيَّةِ फ़रमाते हैं : जो ज़ैल में  
दिए गए चार काम पाबन्दी से करे वोह मेरी "मदनी बेटी" है ।

- (1) रोजाना कम अज्ज कम 12 बार लिख कर गुफ्तगू।

(2) रोजाना कम अज्ज कम 12 बार इशारे से गुफ्तगू।

(3) रोजाना कम अज्ज कम 12 बार सामने वाले के चेहरे पर नज़रें  
गाड़े बगैर गुफ्तगू।

(4) हर माह कम अज्ज कम 63 नेक आमाल पर अमल।

صَلُّوا عَلَى الْحَبِيبِ صَلَّى اللَّهُ عَلَى مُحَمَّدٍ

JANNAT KE TALABGARO KE LIYE MADANI GULDASTA (HINDI)

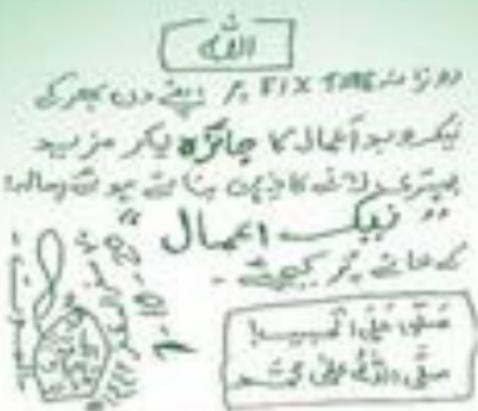
हर इस्लामी भाई और वहन के लिये यक्सां मुफीद

# जन्नत के तळबगारों के लिये म-दनी गुलदस्ता



كتبة المدح  
(كتبة مدارس)





रिसाले में हर नेक अमल के बीचे 31 दिनों के बाटे दिन गए हैं। यह नेक आमाल पर अमल वाले सआइट मिली, जो खाने में (ए) का निशान बरना (०) बना दी गयी। लॉर्ड एड्वरेन अगले में इनके के साथ साथ दिन में गुनाहों से नफरत छार्दी।